	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामिल में जारी हुए
1/8/25	पत्रावली पेश हुई आदि० व सरपंच० उप० पत्रावली का अवलोकन किया गया। पत्रावली जवाब के स्तर पर लम्बित है। आदि० द्वारा मूल वाद में संपरिवर्तन की प्रति पेश करने व बहस सुन ~~अवि~~ वादी का वाद खारिज किया जा चुका है। अतः मूल वाद खारिज होने से हस्तगत प्रकरण में अन्य कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं होने से हस्तगत प्रार्थना पत्र खारिज/अस्वीकार किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो। बाद तकमील आपा दाखिल दफ्तर लेखा भण्डार जमा हो। ...ं ...कलक्टर जतारण (ब्यावर)	